विविधा

काव्य संग्रह

विविधा में सब आ गये गीत, गजल के छन्द
मुक्तक, दोहा और वे जो तोड़ें अनुबंध
जो तोड़ें अनुबंध स्वतंत्र विधा के हामी
काव्य धरा के तत्व सभी जो हैं अनुगामी
सुन निर्मल कविराज प्रसारित होगी सुविधा
इसी सोच की आँच लिये लाये हम विविधा ।

निर्मल चन्द निर्मल

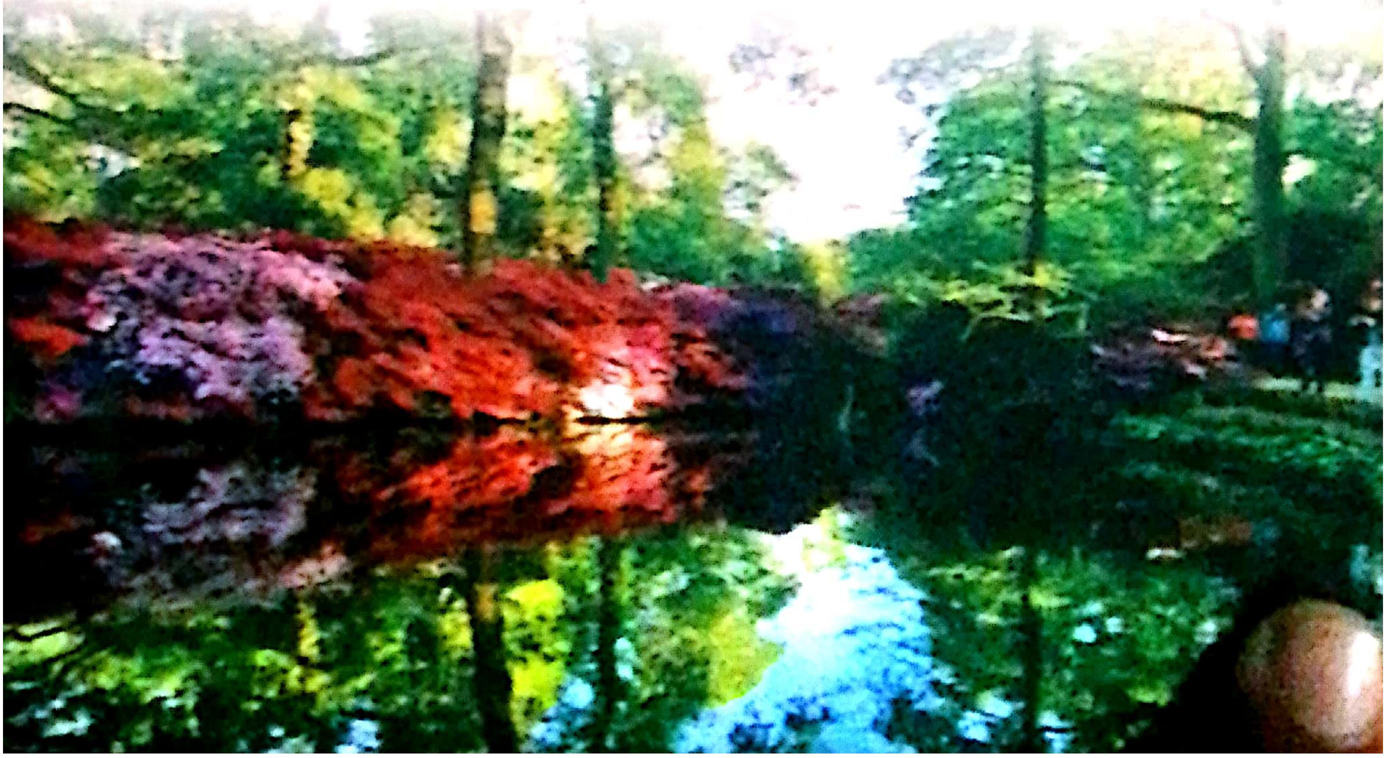

Scanned with OKEN Scanner

विविधा (कविता संग्रह)

निर्मल चन्द निर्मल

सर्वाधिकार लेखकाधीन

प्रथम संस्करण - 2018

मूल्य - 150/-

ISBN
978-81-934037-7-8

प्रकाशक-
एन.डी. पब्लिकेशन, नई दिल्ली
www.ndpublication.com
Mob: 7566257575

अनुक्रम

क्र.	कविता	पृ.
1.	माँ शारदे	21
2.	नूतन वर्ष का स्वागत	22
3.	पाया भारत देश	23
4.	साधना भी वही है वही चाह है	25
5.	जश्न-ए-तराना	26
6.	प्रेम नहीं शब्दों का कायल	28
7.	हम तो गीत लिखेंगे	30
8.	गाँव हमारा गाँव वही है	31
9.	है गुणीजनों का कहना	32
10.	पढ़ा मजहब सलीके से	34
11.	पूछा जो उससे हाल	35
12.	और बहुत हैं	36
13.	मनमानी होगी	38
14.	सरताज हो गया	40
15.	ह्रदय के ताले टूट गये	42
16.	चलता यहाँ न झूट	44
17.	सारा देश पुकारे	46
18.	देश, धर्म, ईमान	48
19.	सबका ही उपहास करें	39
20.	शब्द-शब्द हैं	51
21.	सो गत खूब भई	52
22.	जीवन शतक	53
23.	कहाँ साहित्य ठहरेगा	55
24.	प्रकृति में प्रभात	57
25.	पारस के हाथ बढ़े	58
कुण्डलिया		
26.	हमारी जिद	59
27.	नीति पथ	60
28.	शुद्धिकरण	61
29.	राजकाज	62
30.	यथार्थ	63
31.	प्रिय छोटू	64
32.	दोहे	65
33.	बाल रचना	67

Scanned with OKEN Scanner

34.	यहाँ पड़े भोजन के लाले	68
35.	मैली चादर	70
36.	परीक्षा का दिन/पराजित लोकतंत्र	72
37.	नगर-सागर	73
38.	बड़ा सुख/महानता	75
39.	मुक्तक	75
40.	क्या लिखते हो	77
41.	श्रम-स्वर	79
42.	गीत तुम्हारे स्वर मेरा है	80
43.	गिरेगी मिट्टी की दीवार	82
44.	तब आये अब जाये	84
45.	एक पल	85
46.	ये जीवन क्या है	86
47.	समय-चक्र	87
48.	मानव अपने मन से हारा	90
49.	स्मृतियों का छाया	92
50.	घाट-जगाती	94
51.	सीधी नहीं धरा की काया	95
52.	जब तुम्हें अंतिम विदाई दी	97
53.	तुम्हारी याद की तड़पन	98

Scanned with OKEN Scanner

निर्मल चन्द निर्मल

प्रकाशित कृतियाँ –

1. उठाओ कुदाली	2. और कुछ नहीं हुआ
3. गीत वही लिख पाता है	4. गीत है ये जिन्दगी
5. कुछ ऐसे लोग हुआ करते	6. याद नहीं बिसरी,
7. जुगनुओं के पास भी ईमान है	8. पसीना बोलता है
9. गुड़िया पूछ रहीं मम्मी से	10. प्रेम रुपी रंग कितने
11. द्रवणांक	12. आगे कौन बढ़े
13. प्रीत के सुख -दुख घनेरे	14. मील के पत्थर नहीं कोई
15. एक पहर दिनमान शेष है	16. निर्मल सतसई
17. त्रिधारा	18. कबीरा खोजत फिरत मुकाम

विशेष :

दूरदर्शन और आकाशवाणी से हिन्दी और बुन्देली में रचना पाठ होते रहते हैं। भाषा वा विचारों की क्लिष्टता से परहेज रखता हूँ। मेरी कवितायें केवल विद्वानों को नहीं वरन् उनको भी हैं जो अपनी समझ कविताओं में तलाशते हैं। सभी उम्र के पाठक मेरी लेखन दृष्टि में रहते हैं।

संपादक त्रय डॉ. सरोज गुप्ता, डॉ. लक्ष्मी पाण्डे और डॉ. घनश्याम भारती ने मेरे साहित्यिक अवदान पर अभिनन्दन ग्रन्थ 'सत्य से साक्षात्कार के कवि निर्मल चन्द निर्मल' शीर्षक से एक समीक्षात्मक कृति दिल्ली से प्रकाशित कराई है जिसमें मेरा पूरा साहित्यिक लेखा जोखा उपलब्ध है। कृपया आप देखें।

संबद्धता :

हिन्दी साहित्य सम्मेलन, शाखा सागर, हिन्दी उर्दू मजलिस सागर, प्रगतिशील लेखक संघ, सागर, मध्यप्रदेश लेखक संघ, भोपाल और श्यामलम साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था सागर।

निवास : 89 बी, मधुवनग्रीन्स, तिली वार्ड सागर, म.प्र. 470002
मो.नं. 9993949714

Scanned with OKEN Scanner